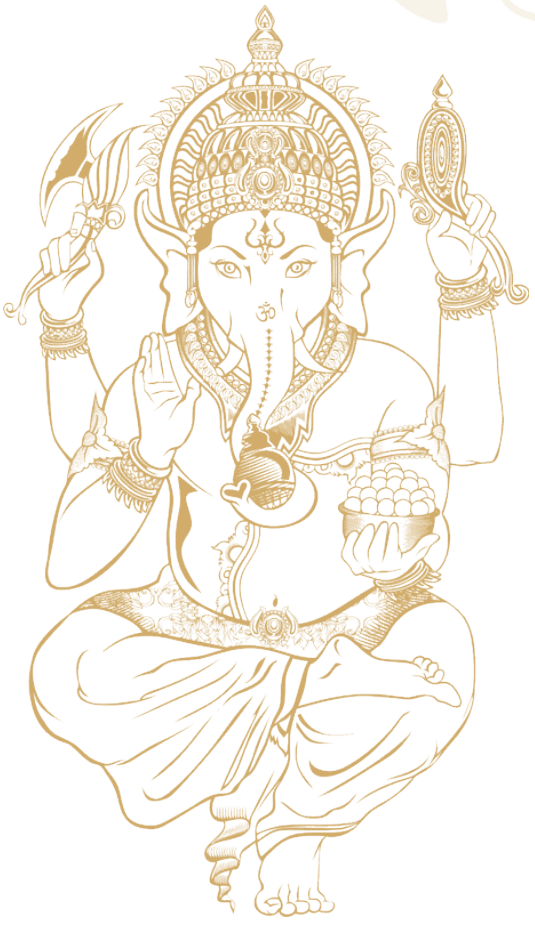

Mitali s

23 Aug 2001

12:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121000905

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/08/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:30:00 घंटे**
इष्ट	16:28:43 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:02:39 घंटे
साम्पातिक काल	10:15:26 घंटे
सूर्योदय	05:54:30 घंटे
सूर्यास्त	18:52:28 घंटे
दिनमान	12:57:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:20:51 सिंह
लग्न के अंश	01:25:28 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:25:28	306:47:46	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			सिंह	06:20:51	00:57:51	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			तुला	04:27:37	14:07:43	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	28:37:29	00:23:42	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			सिंह	22:19:35	01:40:40	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	14:33:49	00:10:48	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	01:31:14	01:10:58	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि			वृष	20:01:26	00:03:35	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	10:50:57	00:04:35	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	10:50:57	00:04:35	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	28:40:44	00:02:22	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	12:52:52	00:01:28	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:39:51	00:00:01	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			सिंह	07:58:43	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:32

लग्न-चलित

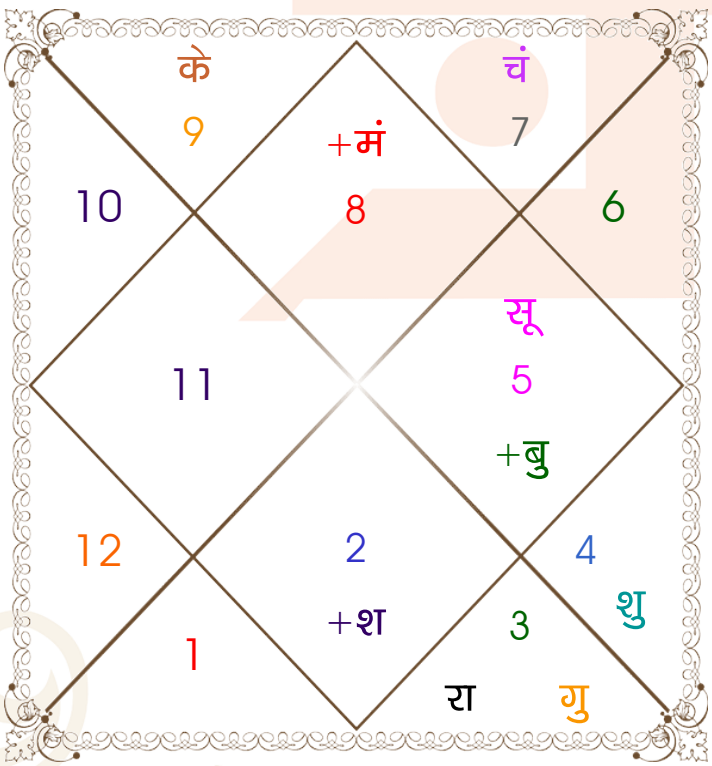

चन्द्र कुंडली

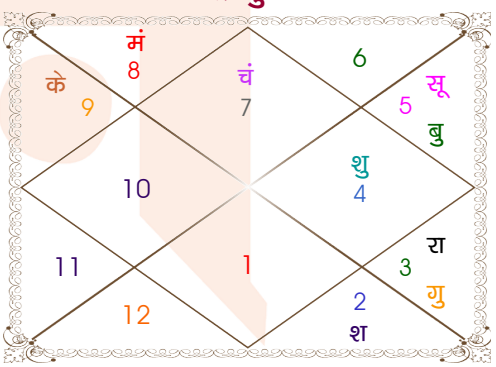

नवमांश कुंडली

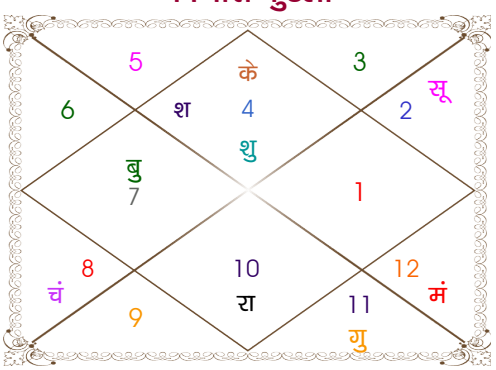

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 1 मास 27 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
23/08/2001		20/10/2002		20/10/2020		20/10/2036		20/10/2055	
20/10/2002		20/10/2020		20/10/2036		20/10/2055		20/10/2072	
	00/00/0000	राहु	02/07/2005	गुरु	08/12/2022	शनि	23/10/2039	बुध	18/03/2058
	00/00/0000	गुरु	26/11/2007	शनि	20/06/2025	बुध	03/07/2042	केतु	15/03/2059
	00/00/0000	शनि	02/10/2010	बुध	26/09/2027	केतु	11/08/2043	शुक्र	13/01/2062
	00/00/0000	बुध	20/04/2013	केतु	01/09/2028	शुक्र	11/10/2046	सूर्य	20/11/2062
	00/00/0000	केतु	09/05/2014	शुक्र	03/05/2031	सूर्य	23/09/2047	चंद्र	20/04/2064
	23/08/2001	शुक्र	08/05/2017	सूर्य	19/02/2032	चंद्र	23/04/2049	मंगल	17/04/2065
शुक्र	13/11/2001	सूर्य	02/04/2018	चंद्र	20/06/2033	मंगल	02/06/2050	राहु	05/11/2067
सूर्य	21/03/2002	चंद्र	02/10/2019	मंगल	27/05/2034	राहु	08/04/2053	गुरु	09/02/2070
चंद्र	20/10/2002	मंगल	20/10/2020	राहु	20/10/2036	गुरु	20/10/2055	शनि	20/10/2072

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/10/2072		20/10/2079		20/10/2099		21/10/2105		21/10/2115	
20/10/2079		20/10/2099		21/10/2105		21/10/2115		00/00/0000	
केतु	18/03/2073	शुक्र	19/02/2083	सूर्य	07/02/2100	चंद्र	21/08/2106	मंगल	18/03/2116
शुक्र	18/05/2074	सूर्य	19/02/2084	चंद्र	09/08/2100	मंगल	22/03/2107	राहु	06/04/2117
सूर्य	23/09/2074	चंद्र	20/10/2085	मंगल	14/12/2100	राहु	20/09/2108	गुरु	13/03/2118
चंद्र	24/04/2075	मंगल	20/12/2086	राहु	08/11/2101	गुरु	20/01/2110	शनि	22/04/2119
मंगल	20/09/2075	राहु	20/12/2089	गुरु	27/08/2102	शनि	21/08/2111	बुध	18/04/2120
राहु	07/10/2076	गुरु	20/08/2092	शनि	09/08/2103	बुध	20/01/2113	केतु	14/09/2120
गुरु	13/09/2077	शनि	20/10/2095	बुध	15/06/2104	केतु	21/08/2113	शुक्र	24/08/2121
शनि	23/10/2078	बुध	20/08/2098	केतु	21/10/2104	शुक्र	22/04/2115		00/00/0000
बुध	20/10/2079	केतु	20/10/2099	शुक्र	21/10/2105	सूर्य	21/10/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 2 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।